विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–4 | अंक–11 | अप्रैल–जून, 2016

www.vidyabhawan.org

कक्षा में हास्य

प्रो. सुषमा तलेसरा

एक छात्र अनुसंधान विषय के चयन के लिए भटक रहा था। समझ नहीं आ रहा था कि क्या अनुसंधान करे। उसे सलाह दी कि विद्यालय में जाए और एक सप्ताह रोज कक्षाओं का अवलोकन करें। उसने ऐसा ही किया। अपने अनुभव साझा करते हुए उसने बताया कि कक्षा-7 के बच्चे बहुत शोर कर रहे थे। अध्यापक बार-बार डांट रहे थे, कुछ छात्रों को पीटा भी पर कुछ देर बाद फिर वही हाल। उससे पूछा गया कि क्या तुमने इस स्थिति का कारण जानने का प्रयास किया। उसने कहा हाँ! संभवतः वह छठा कालांश था, बच्चे थक चुके होंगे इसलिए कक्षा उबाऊ लग रही होगी। क्या सातवें व आठवें कलांश में भी यही स्थिति थी? उसने जो बताया वह चौंकाने वाली स्थिति थी। कालांश 8 के दौरान वे बच्चे खुश व हँसते हुए थे, शोर भी नहीं था। मैंने पूछा क्या विषय पढ़ रहे थे? उसने बताया इतिहास। अब तक मुझे लगता था इतिहास नीरस विषय है, बस तिथियां व नाम रटने का नाम इतिहास है। मेरी जिज्ञासा बढ़ी, मैंने पूछा इतिहास शिक्षण में बच्चे इतने उत्साहित कैसे थे? उसने विस्तार से बताया कि कक्षा में ऐसा नहीं लग रहा था कि शिक्षण नहीं हो रहा है बल्कि बच्चे कहानियां सुन रहे थे, चुटकुले सुनाए जा रहे थे। बच्चे ऐसे मंत्रमुग्ध होकर सुन रहे थे कि पलकें तक नहीं झपक रही थीं। मैंने फिर टोकते हुए पूछा यानि इतिहास शिक्षण नहीं कहानी-चुटकुलों का सत्र चल रहा था। उत्तर मिला नहीं, ऐसी बात नहीं है इतिहास शिक्षण में ही महाराणा प्रताप की कहानी सुनाई जा रही थी और उनके सच्चे हास्य प्रसंग भी। अध्यापक के शब्दों से ज्यादा शिक्षक के चेहरे के हाव-भाव, भाव-भंगिमा, संचरण बात को प्रस्तुत कर रहे थे।

मेरी जिज्ञासा बढ़ रही थी। मैंने उससे कहा कल भी उनकी कक्षा का अवलोकन करना। दूसरे दिन अवलोकन के पश्चात् वो मेरे पास फिर आया और उसने बताया कि

शेष पृष्ठ 2 पर...

अंदर देखें...

- ✓ गरिमा जिला स्तरीय मेरिट में 3
- ✓ नामांकन हेतु गांवों में संपर्क 4
- ✓ नए सत्र की खिलखिलाती शुरूआत 5
- ✓ प्रकृति के प्रति रहेंगे संवेदनशील 6
- ✓ पूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन 7
- ✓ ग्लोबल वार्मिंग पर गोष्ठी 8
- ✓ वनशाला में समझा समावेशी विकास 11
- ✓ शिक्षा संबल कार्यक्रम 14

विद्या भवन सी.सै. स्कूल की विज्ञान प्रयोगशाला के रिनोवेशन कार्य का उद्घाटन करते कंजी काका।

सम्पादकीय...

विद्या भवन के तीनों स्कूलों में प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। हमारी मेहनत रंग लाई है। तीनों स्कूलों में 550 विद्यार्थियों का प्रवेश हुआ है। यह स्कूलों के शैक्षणिक और सहशैक्षणिक कर्मचारियों की मेहनत का फल है जिन्होंने घर-घर जा कर अभिभावकों से संपर्क किया, उन्हें संस्थान की विशेषताओं और यहां होने वाले प्रयोगों और नवाचारों के बारे में बताया। यही नहीं, प्रवेश के बाद भी अभिभावकों को विद्यालय में बुलाकर उनसे यहां आयोजित होने वाले कार्यकलापों के बारे में फीडबैक और सुझाव लिए गए, यह सराहनीय कदम है। इस बार बोर्ड का परीक्षा परिणाम भी प्रभावी रहा। तीनों स्कूलों के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। सीनियर सैकण्डरी की गरिमा, जिसने जिला स्तरीय मेरिट में आठवां स्थान प्राप्त किया तथा पब्लिक स्कूल के हर्षित व धारिणी, जिन्होंने 10 सीजीपीए प्राप्त किया, बधाई के पात्र हैं। इनसे अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे। बेसिक स्कूल का बोर्ड परीक्षा परिणाम भी शत प्रतिशत रहा है। विद्या भवन के दोनों शिक्षक महाविद्यालयों में वनशाला शिविर लगा, जहां विद्यार्थियों को अलग-अलग तरह के अनुभव हुए। यह अनुभव उन्हें आगे भावी जीवन में मदद करेंगे। विद्या भवन की अलग-अलग संस्थाओं में नवाचार भी हुए हैं। ये सभी हमारा मनोबल बढ़ाने वाले हैं।

सलाहकार
हृदय कान्त दीवान

संपादन
गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

...पृष्ठ 1 का शेष

आज तो बच्चों ने इतने ठहाके लगाए कि पास की कक्षा के बच्चे भी इस कक्षा में आ गए। कुछ दिन और कक्षा अवलोकन से ज्ञात हुआ कि उन अध्यापक जी का शिक्षण का यही अंदाज रहता है।

आगे उससे इतिहास शिक्षक के बारे में छात्रों के विचार जानने को कहा। अधिकांश ही नहीं सभी छात्रों ने इतिहास शिक्षक को श्रेष्ठ शिक्षक, इतिहास को श्रेष्ठ विषय बताया तथा इतिहास जैसे सैद्धान्तिक विषय में श्रेष्ठ अंक प्राप्त किए। शिक्षक, विषय व अंक में गहरा संबंध है। शिक्षक पसंद है तो विद्यार्थी उसके द्वारा पढ़ाया जाने वाला विषय भी पसंद करते हैं, विषय पसंद है तो अंक बेहतर प्राप्त होंगे ही। बच्चों ने यह भी बताया कि जब इतिहास के शिक्षक छुट्टी पर होते हैं उस दिन उन्हें अच्छा नहीं लगता है, इतिहास की कक्षा न हो पाने का दुख होता है उससे अब अन्य शिक्षकों से इस तरह के शैक्षिक माहौल पर चर्चा करने को कहा।

जब अन्य शिक्षकों से पूछा गया कि क्या आपको लगता है कि कक्षा में चुटकुले, कहानी व ठहाके उचित हैं? करीब-करीब एक मत से सभी शिक्षकों के प्रत्युत्तर नकारात्मक थे। उनसे और गहाई में जाकर पूछा कि यदि बच्चे हँसे, ठहाका मारे व प्रसन्नचित्त रहते हैं तो इसमें क्या गलत है। इस पर शिक्षकों का मानना था कि विद्यालय में अनुशासन महत्त्वपूर्ण है। बच्चों व शिक्षकों के बीच फासला रखना ज़रूरी है वर्ना बच्चे शिक्षक की बात नहीं सुनेंगे। हास्य से शैक्षिक माहौल खत्म हो जाता है, शिक्षक व छात्रों के बीच दूरियां नहीं रहती हैं अतः वे छात्रों के समक्ष गंभीर रहने की पैरवी करते हैं।

अनुसंधानकर्ता दो विपरीत दृश्यों के बीच असमंजस में था कि जो आंखों से कक्षा में देखा वह माने या शिक्षकों द्वारा दिए गए दृष्टिकोण को मानें। मुझसे चर्चा की, वह मुझसे अपेक्षा रख रहा था कि मैं उसे इस असमंजस की स्थिति से बाहर लाऊं और सही उत्तर दूं। पर ऐसा नहीं हो पाया क्योंकि बिना प्रमाण मैं कुछ निर्णय लेने की स्थिति में नहीं थी। पर हां वह पहली उलझन से निकल गया। उसे शोध का विषय मिल गया। उसे यही सलाह दी कि वह लगातार कुछ महीनों तक कक्षा में 'हास्य' का वातावरण बनाते हुए शिक्षण करवाए तथा इस प्रयोग के उपरान्त शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करें। यदि 'हास्य' के कारण शिक्षक को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो शैक्षिक उपलब्धि पर कुप्रभाव दृष्टिगत होगा।

उसने अपने प्रयास से अनुसंधान का विषय खोजा, दिल में इस बात को जानने की जिज्ञासा थी कि क्या 'हास्य' शिक्षण शैक्षिक उपलब्धि का प्रभावी कारक हो सकता है।

शोधकर्ता हैं लखविन्दर सिंह जिसने मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से शोध उपाधि प्राप्त की तथा शोध द्वारा ठोस प्रमाणों के साथ यह साबित किया कि जिस छात्र समूह को हास्य के साथ शिक्षण करवाया गया, उनकी उपलब्धि सामान्य पारम्परिक विधि से करवाए शिक्षण की तुलना में सार्थक रूप से अधिक पाई गई परन्तु साथ ही शिक्षकों की 'कक्षा में हास्य' के प्रति अभिवृत्ति नकारात्मक पाई गई।

शिक्षक का खुशमिजाज चेहरा, प्रसन्न मुद्रा व हास्य कक्षा के वातावरण को सजीव बना देते हैं, अध्यापक का गंभीर-भाव भय का वातावरण उत्पन्न करता है।

उल्लेखनीय है वह अध्यापक जिसकी कक्षा का अवलोकन किया गया वे सेन्ट पॉल स्कूल, उदयपुर में इतिहास शिक्षण करवाते थे (सुन्दरलाल दक)। अनुसंधानकर्ता ने लेखिका के निर्देश में यह शोध कार्य सम्पन्न किया।

- प्रोफेसर
विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

गरिमा जिला स्तरीय मेरिट में

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा में कक्षा-12 (कला वर्ग) की छात्रा गरिमा श्रीमाली ने 85.60% अंक प्राप्त कर जिला स्तरीय मेरिट में 8वां स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य वर्ग में छात्रा मीना सुथार ने 81.20% एवं विज्ञान वर्ग के छात्र पीयूष पुरोहित ने 85.40% अंक अर्जित कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 10वीं के छात्र रमेश चन्द्र सुथार ने 91.67% अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

	कक्षा-10	कक्षा-12		
		वाणिज्य	कला	विज्ञान
परीक्षार्थी	50	43	43	37
परिणाम	81.03%	88.37%	100%	78.37%
प्रथम	26	24	14	24
द्वितीय	18	05	18	05
तृतीय	03	-	06	-

किया प्रचार बढ़े बच्चे

मई एवं जून में विद्यालय प्रचार-प्रसार समिति के सदस्यों द्वारा शहर व आस-पास स्थित गांवों में विद्यालय नामांकन बढ़ाने हेतु अभिभावकों से सम्पर्क किया। सदस्यों ने पेम्फ्लेट्स भी वितरित किए तथा विद्यालय गतिविधियों से अवगत कराया। विद्यालय में 280 नए विद्यार्थियों का नामांकन हुआ।

उत्साह से मनाया प्रवेशोत्सव

विद्यालय में एक मई से नया सत्र प्रारंभ हुआ। प्रथम दिन विद्यार्थियों को योग प्रशिक्षक विजय तलरेजा ने योगाभ्यास करवाया तथा इसका महत्त्व बताया। प्रवेशोत्सव के दौरान ही पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम से सम्बन्धित फिल्म शो हुआ। विद्यार्थी फतहसागर भ्रमण पर गए तथा क्राफ्ट की गतिवधियां आयोजित की गई।

विद्यालय में प्रवेश बढ़ाने के लिए अध्यापक-अभिभावक खुली चर्चा का आयोजन "ओपन-डे-2016" के रूप में किया गया। चर्चा में विद्याभवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता, शिक्षा सलाहकार कमल महेन्द्रू, हेमराज भाटी ने भाग लिया। अभिभावकों से चर्चा करते हुए कहा कि छात्र मातृभाषा में सबसे पहले सीखता है अतः मातृभाषा को महत्त्व दिया जाना चाहिए। शिक्षा के त्रि-भाषा सूत्र पर भी चर्चा की गई। छात्र जिस विषय में कमजोर है उसकी पहचान कर छात्रों के मन में छिपे हुए डर को निकाल कर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। शिक्षा के विकास के लिये अध्यापक-अभिभावक व विद्यार्थी रूपी त्रिभुज का परस्पर सामन्जस्य होना अति आवश्यक है। इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय शिक्षा की सराहना की, संतोष व्यक्त किया एवं कहा कि विद्या भवन में शिक्षा के साथ-साथ खेलों की पूर्ण व्यवस्था है जिससे बालकों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। अभिभावकों ने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विद्यालय में प्रवेश तथा परीक्षा परिणाम पर भी चर्चा की गई एवं बच्चों द्वारा सत्र पर्यन्त किए गए कार्यों, पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अन्तर्गत निर्मित चार्ट्स, मॉडल व हस्तनिर्मित वस्तुओं व चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

विज्ञान मॉडल का प्रदर्शन

विद्या भवन रामगिरि में विज्ञान दिवस पर आयोजित विज्ञान मॉडल/प्रयोग प्रदर्शन में विद्यालय की तनिषा वैष्णव, मानसी सालवी-प्रथम एवं नेहा डांगी, मिताली कुमावत ने तृतीय स्थान एवं चित्र प्रतियोगिता में किरण सोलंकी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व पुरुस्कार वितरित किए गए। ये सभी विद्यार्थी पांचवी कक्षा के थे।

फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता

विद्यार्थियों के लिये आयोजित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारत माता, ट्रेफिक लाईन, फूल, तितली, आदिवासी, रावण, डॉक्टर, शिवजी, आम, पेड़, फायरमेन, मरीज, ट्राफिक लाईट, किसान पात्रों की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में प्रथम- नेहा डांगी, द्वितीय साक्षी प्रजापत एवं तृतीय बाबू चौबीसा तथा वरिष्ठ वर्ग में प्रथम युवराज प्रजापत, द्वितीय कनिष्ठा कुमावत एवं तृतीय तनिष्क रहे। निर्णायक अध्यापिका रंजना शर्मा व नीलोफर मुनीर थे। नृत्य प्रतियोगिता में 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता दो वर्गों में सम्पादित हुई। कक्षा प्रथम व द्वितीय में प्रथम जालवंती वैष्णव, द्वितीय कशिश शर्मा, तृतीय भाविका वैष्णव एवं हिमांग कुमावत तथा कक्षा 3 से 5 में प्रथम मिताली कुमावत, द्वितीय कृष्णा डांगी, तृतीय तनिषा वैष्णव रहे।

पुस्तकों का विवरण कंप्यूटर में

विद्यालय के पुस्तकालय का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है। इसके तहत पुस्तकों का विवरण कंप्यूटर में दर्ज किया जा रहा है। यह कार्य विद्यालय के दिनेश जाजू कर रहे हैं।

प्रताप गौरव केन्द्र पर भ्रमण

प्रथम एवं तीसरी कक्षा के विद्यार्थी अपने दल अध्यापिकाओं के साथ प्रताप गौरव केन्द्र गए। वहां उन्होंने मेवाड़ के इतिहास से जुड़ी चित्र प्रदर्शनी, महाराणा प्रताप का जीवन परिचय तथा उनसे जुड़ी जानकारियां प्राप्त की। द्वितीय के विद्यार्थी सज्जनगढ़ बायोलोजिकल पार्क देखने गए। वहां उन्होंने जानवरों को करीब से देखा अधिकतर विद्यार्थियों ने कई जानवर पहली बार देखे। विद्यार्थियों ने झूले, फिसलन पट्टी का भरपूर आनन्द लिया तथा संजय गार्डन में खाना खाया।

अध्यक्ष ने सुने बच्चों के अनुभव

विद्या भवन मोहनसिंह मेहता मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित बाल मेले में तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मेले में विद्यार्थियों को एक बाल फिल्म 'चन्दा के जूते' दिखाई। मेले में कविता कहानी ढूंढो, रिंग डालो, गुब्बारे फुलाओ, ओरोगेमी, तरह-तरह की ड्राइंग पेन्टिंग, मुंह में डालो

शेष पृष्ठ 10 पर...

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

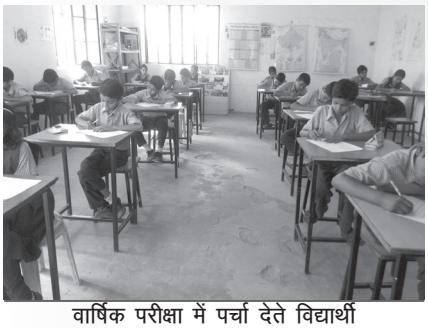

वार्षिक परीक्षा में पर्चा देते विद्यार्थी

विद्यालयी स्तरीय वार्षिक परीक्षा

अप्रैल माह में कक्षा नर्सरी से ग्यारहवीं तक विद्यालय स्तर पर वार्षिक परीक्षा आयोजित की गई। सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम महीने की अंतिम तारीख को घोषित किया गया। सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अगली कक्षा में क्रमोन्नत किया गया।

नामांकन हेतु गांवों में संपर्क

विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षकों ने गांव-गांव जाकर सम्पर्क किया। सम्पर्क के दौरान अध्यापक छोटे-छोटे समूहों में अभिभावकों से मिले और उन्हें विद्या भवन की विशेषताओं से परिचित कराया। उन्होंने विद्या भवन में होने वाले नवाचारों, प्रयोगों और गतिविधियों से भी अवगत कराया। विद्यालय की शैक्षिक व सह-शैक्षिक गतिविधियों, विद्यालय की उपलब्धियों तथा सुविधाओं की जानकारी दी गई। विद्यालय के शिक्षकों ने अलग-अलग समूह बनाकर स्थानीय विद्यालय के आसपास के सभी गांवों, जैसे- पालड़ी, राठौड़ों का गुड़ा, लोयरा, कविता, थूर, मदार, चिकलवास, रामगिरि, बड़गांव, फेनियों का गुड़ा, डांगियों का गुड़ा, सबलपुरा में सम्पर्क कर विद्यालय में नामांकन बढ़ाने का प्रयास किया। शिक्षकों का यह प्रयास रंग लाया और विद्यालय में 159 नए नामांकन किए गए।

क्र.सं.	कक्षा	नये प्रवेश
1.	नर्सरी	34
2.	1	8
3.	2	3
4.	3	4
5.	4	7
6.	5	8
7.	6	13
8.	7	7
9.	8	5
10.	9	27
11.	10	10
12.	11	30
13.	12	3
योग		159

नए सत्र का प्रारम्भ

सभी कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् नया सत्र प्रारम्भ किया गया। मई से नए सत्र की विधिवत् कक्षाएं लगाई गई। इन कक्षाओं में विद्यार्थियों को नए सत्र के पाठ्यक्रम से अवगत कराया गया तथा पाठ्यक्रम से सम्बन्धित आधारभूत तथ्यों व सिद्धांतों की जानकारी देकर उनकी आगामी कक्षा की नींव मजबूत की गई।

मनीष ओझा, नरेन्द्रसिंह झाला व आशा देवड़ा रहे अव्वल

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2015-16 में कक्षा-12 कला संकाय व वाणिज्य संकाय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परीक्षा में कला संकाय से मनीष ओझा ने 78.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा वाणिज्य संकाय से नरेन्द्र सिंह झाला ने 67.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कक्षा-10 से आशा देवड़ा ने 86.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बोर्ड परीक्षा परिणाम 2015-16

	कक्षा-10	कक्षा-12	
		कला	वाणिज्य
परीक्षार्थी	37	17	12
परिणाम	89%	100%	100%
प्रथम	8	10	8
द्वितीय	22	6	4
तृतीय	3	1	0

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में भी योग दिवस मनाया गया। शिक्षक आर.डी. वर्मा तथा नरेन्द्र मेघवाल ने विद्यार्थियों को कई प्रकार के योग व आसन करवाए। इनमें कपाल भाति, अनुलोम विलोम, सूर्य नमस्कार आदि शामिल थे। शिक्षकों ने योग व व्यायाम के महत्त्व को बताया तथा विद्यार्थियों को अपने जीवन में नियमित योग करने हेतु प्रेरित किया।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

योग दिवस पर योग करते विद्यार्थी

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

नए सत्र की खिलखिलाती शुरूआत

वार्षिक परीक्षा के बाद स्कूल का नया सत्र एक अप्रैल से शुरू हुआ। पहले ही दिन बच्चों की उपस्थिति अच्छी रही। खासतौर से छोटी कक्षाओं के बच्चों का नई कक्षा में प्रथम दिन आने पर उत्साह झलक रहा था। उनके चेहरे खिले-खिले नजर आए।

नामांकन में हुई खासी वृद्धि

नये सत्र 2016-17 में स्थानीय विद्यालय में नामांकन वृद्धि का कक्षावार प्रदर्शन अग्रांकित है। जून, 2016 तक 93 नए विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है।

क्र.सं.	कक्षा	नये प्रवेश
1.	1	16
2.	2	12
3.	3	6
4.	4	9
5.	5	4
6.	6	14
7.	7	7
8.	8	8
9.	9	13
10.	11	4
योग		**93**

'स्वच्छता रखो, स्वच्छ रहो'

विद्यालय सभागार में विद्याभवन पोलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता ने बच्चों को अपने आसपास स्वच्छता रखने एवं उससे होने वाले लाभों से अवगत कराया। उन्होंने छोटे-छोटे उदाहरण देकर बच्चों का आह्वान किया कि हाथों को अच्छी तरह से मसलकर धोने व स्वच्छ रखने से कैसे हम रोगाणुओं से शरीर की रक्षा कर सकते हैं एवं बूंद-बूंद पानी का संरक्षण करें ताकि व्यर्थ पानी बहने से रोका जा सके। पूरे विश्व में जो पानी की किल्लत है उसके बारे में बताते हुए डॉ. मेहता ने जल संरक्षण की महत्ता पर जोर दिया।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता

आधार फाउण्डेशन उदयपुर की ओर से विद्यालय सभागार में 'रोड सेफ्टी वर्कशॉप' में बच्चों को सड़क सुरक्षा अपनाने के प्रति उद्‌बोधित किया गया। फाउण्डेशन के नारायण ने बताया कि पूरे देश में हर वर्ष करीब एक लाख चालीस हजार व्यक्तियों की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो जाती है। कितनी ही दुर्घटनाएं हमारी छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण घटित होती हैं। उन्होंने विडियों क्लिप दिखाने हुए बताया कि जरा सी असावधानी से बहुत बड़ी दुर्घटना घट जाती है एवं इसका खामियाजा पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। कितने ही बच्चे अनाथ हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि हेलमेट पहनने से शरीर के महत्त्वपूर्ण भाग सिर को बचाया जा सकता है। उन्होंने कारों में सफर के वक्त सीट बेल्ट बांधने की सलाह दी।

दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सोसायटी ऑफ ड्रामेटिक एण्ड परफोर्मिंग आर्ट्स नाट्यांश की ओर से चार सदस्यों के द्वारा विद्यालय सभागार में एक नाटक का मंचन किया गया। कटते जंगल और उससे उत्पन्न विकट समस्याओं जैसे- पर्यावरण में शुद्ध हवा की होती कमी पानी के तीव्र गति से हो रहे दोहन आदि पर श्रृंखलाबद्ध रूप से अपनी भाव भंगिमाओं और प्रभावपूर्ण वाचन शैली से प्रस्तुतीकरण कर सदस्यों ने विद्यार्थियों को गंभीरता से पर्यावरण संरक्षण करने के प्रति आगाह किया। उन्होंने अपनी कटाक्ष शैली में हमारी संवेदनहीन जीवनशैली पर प्रहार किया व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर अप्रत्यक्ष रूप से अपनी बात कही।

मंथन संगीत संध्या में छाए बच्चे

दिनांक 7 मई 2016 की संध्या वेला संगीत के मंच पर अपनी अंगड़ाइयां लेने के बेताब थी। इसी संध्या वेला में स्कूली बच्चों ने अलग-अलग तरह के संगीत कार्यक्रम नृत्य, गीत व नाटक आदि का प्रस्तुतीकरण किया। स्कूल बालाओं ने सुंदर राजस्थानी नृत्य प्रस्तुतकर दर्शकों का मन मोह लिया। नाट्यांश ग्रुप के सहयोग से कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं ने 'सड़क सुरक्षा' के संदेश दर्शाते नाटक का मंचन किया। प्राथमिक कक्षाओं की छात्राओं ने अलग-अलग राज्य की सांस्कृतिक विभिन्नताओं को दर्शातें नृत्य का प्रदर्शन किया। छात्रों के एक बड़े समूह ने शास्त्रीय गायक शैली खयाल की प्रस्तुती दी एवं विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्रों का संचालन कर संगीत का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जो सभी ने सराहा।

समर कैम्प में योग व जुम्बा नृत्य

विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किया गया। शारीरिक शिक्षक देवीलाल रावत ने एरोबिक्स योग व जुम्बा नृत्य का प्रशिक्षण दिया। योग के तहत प्राणायाम, व्यायाम, सूर्य नमस्कार आदि सीखाया। इसके साथ ही बच्चों को नृत्य की एक नवीन शैली जुम्बा शैली का प्रशिक्षण देकर लाभान्वित किया।

हर्षित व धारिणी के 10 सीजीपीए

सी.बी.एस.ई. की 10वीं कक्षा में विद्या भवन पब्लिक स्कूल के दो विद्यार्थियों ने पूरे 10 सीजीपीए प्राप्त किए। दस छात्रों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। प्रथम श्रेणी में 19 छात्र व द्वितीय श्रेणी में 13 छात्र उत्तीर्ण हुए। कक्षा बारहवीं में वाणिज्य वर्ण में 22 छात्रों में से 20 उत्तीर्ण हुए एवं कला वर्ग में कुल 4 छात्रों में से चारों छात्र उत्तीर्ण हुए। वाणिज्य वर्ग में राहुल टांक ने 80.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अवकाश हुए खत्म, स्कूल खुला

ग्रीष्मावकाश के बाद स्कूल पुनः 20 जून, 2016 से शुरू हुआ। पहले दिन सीनियर बच्चों ने ग्रीष्मावकाश गृहकार्य जिनमें प्रोजेक्ट वर्क, असाइनमेन्ट कार्य एवं प्रेक्टिकल कार्य आदि जमा कराए। जूनियर कक्षाओं के छात्र-छात्रा दिनांक 27 जून, 2016 से स्कूल आए। प्रथम दिन बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

महाविद्यालय में हुई परीक्षाएं

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय की वार्षिक परिक्षाएं आयोजित हुई। परीक्षाओं में प्राइवेट व नियमित के करीब 1500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय परीक्षा में महाविद्यालय के विद्यार्थियो के साथ ही दूसरे कॉलेज के विद्यार्थियों का भी केन्द्र रहा। जून में इग्नू में करीब 50 विषयों की परीक्षा हुई ये परीक्षाएं 1 जून से 30 जून तक सम्पन्न हुई।

रसायन विज्ञान विभाग ने वार्षिक पत्रिका "औरम" का प्रकाशन किया। जिसमें रसायन विज्ञान विभाग द्वारा पूरे साल में की जाने वाली शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों का प्रकाशन किया गया।

वनस्पति विभाग व्याख्याता डॉ. अनिता जैन की पुस्तक "बिब्लीयोग्राफी ऑफ एथॉनोबॉटनी- 21स्ट सेन्चुरी" का प्रकाशन हुआ। इस पुस्तक में 2001 से 2015 तक प्रकाशित लोक वानस्पतिक विज्ञान से संबन्धित 250 रिसर्च रेफरेन्स का प्रकाशन किया गया है। यह पुस्तक शोधार्थी छात्रों एवं विभागों के लिए बहुत उपयोगी रहेगी तथा इससे उन्हें भविष्य में की जाने वाली रिसर्च के लिए मार्गदर्शन मिलेगा।

प्लेसमेन्ट सेल

महाविद्यालय द्वारा विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए कैम्पस साक्षात्कार करवाए गए। इसके तहत वॉल्केम इण्डिया 23 अप्रैल और गोलछा इण्डस्ट्रीज 05 मई, 2016 को महाविद्यालय में साक्षात्कार के लिए आए। इसमें 7 विद्यार्थी वॉल्केम इण्डिया और 5 विद्यार्थी गोलछा इण्डस्ट्रीज द्वारा चयनित हुए। किशन प्रजापत का पिरामिल हेल्थ केयर, गुजरात में रिसर्च एवं डवलपमेंट में प्रशिक्षु के लिए चयन हुआ।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

पुनश्चर्या प्रशिक्षण

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर 3 दिवसीय कार्यकर्ताओं तथा 2 दिवसीय सहायिकाओं के पुनश्चर्या प्रशिक्षण हुए। इसी प्रकार, एक अन्य कार्यकर्त्ताओं के कार्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को विषय-वस्तु की जानकारी के साथ ही उनके कार्य संचालन में आने वाली बाधाओं एवं समस्याओं पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण में राजसमन्द व उदयपुर जिले की कुल 194 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

छोटे बच्चों के आहार पर प्रशिक्षण

केन्द्र की अनुदेशिका वर्षा चौधरी ने सेवा मंदिर की संचालिकाओं को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार में किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, इस पर चर्चा की गई।

वर्षा चौधरी ने आइ.एस.एस.एन.आई. पी. परियोजना के अंतर्गत आयोजित महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया। इसके अन्तर्गत डिस्ट्रीक्ट रिसोर्स ग्रुप तैयार हुए जिन्हें आगे ब्लॉक रिसोर्स ग्रुप को प्रशिक्षण देना है।

इसी प्रकार, जून में केन्द्र की प्राचार्या हरिबाला शर्मा ने इंदौर में आयोजित 'शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार' सम्बन्धी प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रकृति के प्रति रहेंगे संवेदनशील

केन्द्र के कार्यकर्ताओं ने प्रकृति साधना केन्द्र पर "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया। इस मौके पर कार्यकर्ता प्रकृति से रूबरू हुए एवं विभिन्न पेड़-पौधे एवं पक्षियों की जानकारी प्राप्त की। सभी ने निर्णय लिया कि कभी भी हरे पेड़ नहीं काटेंगे न कटने देंगे। उन्होंने प्रकृति के प्रति संवेदनशील बने रहने एवं पशु-पक्षियों के दाना-पानी, सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

विशेष प्रयास - पर्यावरण सम्बन्धी जागरूकता लाने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए अपने आवास व कार्यक्षेत्र के आस-पास पीने के पानी व दाना डालने हेतु प्रेरित किया। आदिवासी बाहुल्य में आए दिन पैंथर की मौत रोकने के लिये जंगल में भी पीने के पानी की व्यवस्था हेतु जागरूक किया गया, क्योंकि भूख-प्यास मिटाने के लिए ही पैंथर बस्तियों में आते हैं। प्रशिक्षण केन्द्र में हर ग्रुप में पौधारोपण को बढ़ावा देने हेतु मीठा नीम, अमलतास, कनेर, तुलसी, आम व अमरूद के पेड़ वितरित किए गए।

परिजनों ने की मदद

ममतामयी माँ प्रशिक्षण के दौरान 80 वर्ष की दादीया सास अपने पोते की बहु के साथ अपने प्रपोत्र को रखने के लिए आई। पूरा एक महीना साथ रहकर बहु का प्रशिक्षण पूरा होने तक मदद की। अर्थात् एक स्त्री का शरीर चाहे जर्जर हो जाता है किन्तु उसकी ममता में और निखार आता है। जैसे सोना तपकर ही कुन्दन बनता है। यह प्रकृति का वरदान है।

ऐसा ही एक अन्य उदाहरण एक दादी सास व पोते की बहू दोनों ही पुनश्चर्या प्रशिक्षण में साथ आई। गमेती परिवार से होते हुए भी गांव का एक आदर्श परिवार है जिन्होनें शिक्षा का महत्त्व देते हुए अपनी स्वयं की जमीन आंगनवाड़ी केन्द्र तथा स्कूल के लिए दान की। परिवार के सदस्य ने राजनीति में होते हुए गांव में महाविद्यालय खुलवाया ताकि बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए इधर-उधर न जाना पड़े।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

पूर्व विद्यार्थियों का सम्मेलन

पॉलिटेक्निक में संस्था के पूर्व विद्यार्थी स्नेह मिलन में 60 वर्ष पूर्व के अध्ययनरत रहे विद्यार्थी पहुंचे तथा अपने विद्यार्थी जीवन को याद किया।

सम्मेलन में उपस्थित अतिथिगण

इस मौके पर वर्तमान में श्रेष्ठ विद्यार्थी मोहम्मद एजाज को पूर्व प्राचार्य सी.एस.एल. अग्रवाल स्मृति पुरस्कार तथा पल्लवी आमेटा को पूर्व प्राचार्य सी.आर. भीमाराव स्मृति पुरस्कार देने की घोषणा की। पूर्व विद्यार्थी संस्था द्व ारा जरूरतमन्द विद्यार्थियों को 'मेरिट कम मीन्स' छात्रवृत्ति प्रदान की गई। पूर्व छात्र शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने की। कार्यक्रम में संस्था से निकले तथा वर्तमान में नगर निगम, यू.आई. टी., सिक्योर मीटर, पी.एच.ई.डी., सिंचाई विभाग, विद्युत वितरण निगम व विभिन्न आई टी कम्पनियों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस मौके पर पचास वर्ष व पच्चीस वर्ष पूर्व इन्जीनियरिंग डिप्लोमा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कम्युनिटी डवलपमेन्ट

संस्था में आयोजित डाटा एन्ट्री आपरेटर (कम्प्यूटर), हाउस वायरिंग, ए.सी. एवं रेफ्रिजरेशन रिपेयरिंग, ब्यूटी कल्चर, के 6 माह के निःशुल्क प्रशिक्षण में 152 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं। सी.डी. टी.पी. संकाय द्वारा विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र में फसल बीमा योजना किसान मेला एवं प्रदर्शनी में तकनीकी सहायता व तकनीकी हस्तान्तरण शिविर लगाया गया जिसमें करीब 34 गांवों के 71 किसानों ने भाग लिया। कठार में अटल सेवा केन्द्र लोक अदालत में बडगांव पंचायत समिति के सहयोग से तकनीकी हस्तांतरण व स्वरोजगार शिविर में 10 गांवों के 60 ग्रामीण पुरुष व महिलाओं ने भाग लिया। गोगुन्दा में अलर्ट संस्थान के सहयोग से सिलाई, मोटर बाइक रिपेयरिंग व कारपेन्टरी (सुथारी) के प्रशिक्षण में 62 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को गैसी फायर, उन्नत चूल्हा, मूंगफली छीलक यंत्र, बाल बियरिंग (छर्रे) युक्त हाथ चक्की, बाटी कुकर, उन्नत सिगड़ी, सोलर उपकरण आदि तकनीकों से अवगत कराया। इस मौके पर स्कीम की निःशुल्क स्किल डवलपमेन्ट प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

स्मार्ट टेक्नालॉजी पर प्रदर्शनी

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा आधुनिक तकनीक के समावेशों द्वारा विकसित विभिन्न मॉडल का प्रदर्शन किया। इनमें सौर ऊर्जा पर आधारित डी.सी. घरेलू उपकरणों का प्रचालन, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए ध्वनि नियंत्रित व्हील चेयर का प्रचालन, माइक्रो कंट्रोलर आधारित जल सूचक नियंत्रक यंत्र, सौर ऊर्जा व एलडीआर पर आधारित रोड लाईट का प्रचालन, ट्राईक द्वारा प्रेरण मोटर की गति नियंत्रण और स्मार्ट तकनीक के द्वारा जीवन सुरक्षा संबंधी मॉडल प्रदर्शित किए। इसी प्रकार विद्यार्थियों ने बढ़ती सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए ऐसी सरल तकनीक इज़ाद की है जिसमें बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चला पाना संभव नहीं।

प्रोजेक्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थी

कम्पनियों में प्लेसमेन्ट

महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान, कौशल, हेन्ड्स-ऑन ट्रेनिंग, नियमित अध्ययन एवं अनुशासन के कारण प्रति वर्ष अनेक कम्पनियां प्लेसमेन्ट हेतु आती हैं। इस वर्ष 37 विद्यार्थियों का नामी कम्पनियों में चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थी सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोनिक्स कम्प्यूटर साइंस एवं रबर टेक्नोलॉजी संकायों से हैं। प्लेसमेन्ट सिक्योर मीटर्स, एल.एण्ड टी., सी.एम.एस. आई. टी. सर्विसेज व रूप पॉलिमर्स आदि कम्पनियों में हुआ है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के गत वर्ष के बैच के कई विद्यार्थी राजस्थान सरकार में कनिष्ठ अभियंता के पद पर चयनित हुए हैं।

रक्तदान शिविर

डॉ. मोहन सिंह मेहता की 121वीं जयंती पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना, डॉ. मोहनसिंह मेहता मेमोरियल ट्रस्ट, प्लेटिनम ग्रुप, महावीर इन्टरनेशनल की ओर से रक्तदान शिविर लगा। शिविर में 43 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान से पूर्व नियमित रक्तदाता विद्या भवन के पूर्व विद्यार्थी रविन्द्रपाल सिंह कप्पू ने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

विदाई समारोह

महाविद्यालय में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह के रूप में ग्रुप फोटो भेंट किए गए। कार्यक्रम में अजय मेहता, बी.एल. मंत्री, जी.पी सोनी उपस्थित थे।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

पर्यावरण दिवस पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विशेषज्ञ

ग्लोबल वार्मिंग पर गोष्ठी

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर ग्लोबल वार्मिंग पर गोष्ठी हुई। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस गोष्ठी में विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं के विद्यार्थी, कार्यकर्ता तथा पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया। मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन वनों के विनाश से होने वाले प्रभाव, भूमि कटाव, ओजोन परत की स्थिति, वातावरण में बढ़ते कार्बन प्रदूषण का प्रभाव पर विचार रखे गए। विद्या भवन के शिक्षा सलाहकार कमल महेन्द्रू ने कहा कि समय रहते पर्यावरण पर सकारात्मक सोच के साथ काम नहीं करेंगे तो भविष्य में बढ़ते तापमान को रोकना मुश्किल होगा तथा इसके कई दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इस मौके पर एस.पी. गौड़, जाहिद मोहम्मद, प्रो. एम.पी. शर्मा, पक्षी विशेषज्ञ चन्द्रभान सिंह, जगमोहन दवे तथा रेवती रमन श्रीमाली ने विचार व्यक्त किए।

चन्द्रभान सिंह ने युवा पीढ़ी से पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी की अपील की। गोष्ठी से पूर्व हिन्दुस्तान जिंक की ओर प्रायोजित 75 छात्र-छात्राओं ने आनन्द सिंह जोधा के नेतृत्व में ट्रेकिंग की।

ग्रामीणों में पर्यावरण जागरूकता

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर भीलों का बेदला गांव के महिला एवं पुरुषों के लिए एक दिवसीय पर्यावरण जागरूकता की कार्यशाला हुई। कार्यशाला में जंगलों में हरे-भरे पेड़ों की कटाई से हो रहे प्रभाव पर विषय विशेषज्ञों ने संभागियों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि वन अधिकारी डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि छोटे से छोटा जानवर भी हमारे लिए उपयोगी होता है। विशेषकर चूहों के संबंध में बताया कि ये जमीन में बिल बनाते हैं जिससे वर्षा का पानी इन बिलों से होता हुआ जमीन में समावेश करता है तथा जल स्तर को बढ़ाता है। आए दिन पेंथर शहरों की तरफ आने का कारण, वनों का विनाश है।

सेवा मंदिर के आनन्द ने कम लकड़ी से अधिक ऊर्जा वाले चूल्हें की कार्य प्रणाली को प्रदर्शित किया। विद्या भवन पॉलिटेक्निक के प्रभारी नितिन व सुधीर कुमावत ने कम राशि से निर्मित सीमेन्ट के चूल्हा बनाकर ग्रामीणों को दिखाया की किस प्रकार कम लड़की से अधिक ईंधन व ऊर्जा प्राप्त होती है। इसी क्रम में ग्रामीणों ने चूल्हे निर्माण के लिए अपना पंजीकरण भी करवाया। कृषि विज्ञान के डॉ. जोधा ने कहा कि कृषि विज्ञान एक प्रकार से पेड़-पौधों का अस्पताल है जहां सभी प्रकार की कृषि संबंधी निःशुल्क जांच एवं प्रशिक्षण करवाया जाता है। पक्षी प्रेमी विनय दवे ने कहा कि पक्षियों का आशियाना ही जंगल है इसलिए इन्हें सुरक्षित रखना हम सब का दायित्व है। भीलों का बेदला के पूर्व प्रधान ने कहा कि विद्या भवन द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला होने से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है और उन्नत कृषि से लाभान्वित हो सकते हैं। एच.आर. भाटी ने ग्रामीणों को वनों का असली मालिक बताया तथा परस्पर भागीदारी से वनस्पति एवं जीव-जंतुओं की सुरक्षा की बात कही।

'बर्ड एट ए ग्लान्स' का ब्रोशर

प्रकृति साधना केन्द्र जैव विविधता के लिए काफी महत्त्वपूर्ण है तथा इस स्थान पर विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के होने से तरह-तरह के पक्षियों का आशियाना बना हुआ है। यहां पर कई प्रवासी पक्षी भी अपना निवास स्थान बना रहे हैं। विभिन्न प्रकार के पक्षियों की बनावट व रंग के आधार पर पहचानने के लिए विद्या भवन के अध्यक्ष अजय मेहता के मार्गदर्शन एवं प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री की सलाह से ब्रोशर बनाया गया। केन्द्र पर विभिन्न संस्थाओं से विद्यार्थी एवं प्रकृति प्रेमी को पक्षियों को पहचानने में यह ब्रोशर मददगार होगा।

उन्नत चूल्हा वितरित करते एच.आर. भाटी

उन्नत चूल्हें का वितरण

ऊर्जा की संचय एवं जागरूकता उत्पन्न करने के लिए भीलों का बेदला निवासी पन्नालाल गमेती को एक उन्नत चूल्हा चन्द्रवीर सिंह एवं एच.आर. भाटी द्वारा वितरित किया गया।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

सेमीनार में पर्चा पढ़तीं एम.एड. छात्रा

जेण्डर संवेदनशीलता पर सेमीनार

एम.एड. विद्यार्थियों की ओर से शिक्षा एवं जेण्डर संवेदनशीलता पर सेमीनार हुआ। सेमीनार में बी.एड. एवं एम.एड. के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेमीनार की अध्यक्ष प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने कहा कि जब तक शिक्षा मात्र डिग्री दिलाने वाली रहेगी यह संवेदनशीलता का अंतराल बना रहेगा। प्रमुख वक्ता प्रो. एम. पी. शर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई दी कि उन्होंने सेमीनार में चर्चा का इतना महत्त्वपूर्ण मुद्दा उठाया। संयोजक प्राध्यापिका डा. मनीषा शर्मा ने आधार पत्र प्रस्तुत करते हुए जेण्डर संबंधी धारणाओं को स्पष्ट किया। सेमीनार में एम.एड. विद्यार्थी अन्नपूर्णा शर्मा तथा बी. एड. विद्यार्थी जया नेहलानी, अनिता सुथार, प्रणयराज तथा सीमा कुमावत ने पत्र वाचन किया।

शिक्षकों को तेज करने होंगे प्रयास

ग्लोबलाइजेशन के इस चुनौतीपूर्ण माहौल में हम टिके रह सके इसके लिए हमें प्रयास तेज करने होंगे। इसकी तैयारी हम कर सकें इसलिए इस प्रकार के शिविरों का आयोजन किया जाता है। ये बात महाविद्यालय में सेवारत माध्यमिक विद्यालयों के वरिष्ठ शिक्षकों के लिए 10 दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में प्रो. एम. पी. शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि आज हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी चाहिए। महाविद्यालय की सीटीई प्रभारी प्रो. सुषमा तलेसरा ने अतिथियों को स्वागत किया और बताया कि महाविद्यालय में विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और सामाजिक विज्ञान के प्रशिक्षण में करीब 135 वरिष्ठ अध्यापक भाग ले रहे हैं।

बी.एड. पाठ्यक्रम उन्नयन संगोष्ठी

महाविद्यालय की ओर से द्विवर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम के अंतर्गत शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम में शिक्षक महाविद्यालयों एवं शिक्षण अभ्यास विद्यालयों की भूमिका पर चर्चा करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय से संबंधित शिक्षण अभ्यास विद्यालयों के संस्था प्रधानों तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भाग लिया। कार्यशाला में नवीन द्वि-वर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम पर मंथन किया गया तथा शिक्षण अभ्यास विद्यालयों में संस्था प्रधानों तथा अध्यापकों को किस प्रकार की समस्याएं आती हैं, इस संबंध में सुझाव मांगे गए। संस्था प्रधानों ने कहा कि गांवों के स्कूलों की स्थितियां सुधारने की जरूरत हैं। आज भी हमारे विद्यालयों में शिक्षा बिना बोझ के कहीं भी देखने को नहीं मिलती। भारत में अच्छे डाक्टर और इंजीनियर तो तैयार हो रहे हैं, लेकिन अध्यापक भी ऐसे ही बनने चाहिए। अध्यापक को मात्र सरकारी नौकरी में जाने के लिए तैयार नहीं किए जाए। अपितु अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप अध्यापकों को तैयार किया जाए।

सीखा शिलालेखों को पढ़ना

शिक्षकों की नियुक्ति गांवों में हुई है। लेकिन हम घर से सीधे स्कूल और स्कूल से सीधे घर जाते हैं। गांव के इतिहास के बारे में कोई जानकारी प्राप्त करने का प्रयास नहीं करते। हमें गांव को भी संग्रहालय समझना चाहिए जहां बच्चों को ले जा कर गांव का इतिहास जानने के लिए प्रोत्साहित करें।

यह बात प्रसिद्ध इतिहासकार श्रीकृष्ण जुगनू ने महाविद्यालय में केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत आयोजित माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की 7 दिवसीय सामाजित विज्ञान की कार्यशाला में शिक्षकों को कही। प्रशिक्षण में श्रीकृष्ण जुगनू ने शिलालेखों को कैसे पढ़ा जाता है, इसके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आपकी थोड़ी सी मेहनत बच्चों में इतिहास विषय के प्रति रुचि पैदा कर सकती है तथा कई तरह की क्षमताएं विकसित कर सकती है। प्रशिक्षण में उदयपुर, बारां, झालावाड़, पाली जिले के करीब 90 अध्यापकों ने प्रशिक्षण लिया।

मौसम प्रेक्षण शाला का उद्घाटन करते हुए

मौसम प्रेक्षणशाला का उद्घाटन

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में मौसम प्रेक्षण शाला का उद्घाटन विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने किया। महाविद्यालय के विद्यार्थी जया नेहलानी, आरजू पण्ड्या, काजल पण्ड्या, सोनू सेन, मनीषा अहीर, पंकज मेघवाल, मिट्ठूलाल ने मौसम प्रेक्षण शाला की कार्यप्रणाली बताई। महाविद्यालय में सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण में भी अध्यापकों को उपकरणों की जानकारी तथा महाविद्यालय के लेब एरिया स्कूल के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को डेमो के लिए आमंत्रित किया जाएगा। मौसम प्रेक्षण शाला स्थापित करने के साथ ही इस क्षेत्र को "जियो पार्क" के रूप में विकसित किया जाएगा जहां टेलिस्कोप की सहायता से रात्रि तारों एवं नक्षत्रों का अध्ययन करेंगे साथ ही अन्य वर्किंग मॉडल भी स्थापित जाएंगे जिससे विद्यार्थी एवं अध्यापक दोनों को वास्तविक अनुभव प्राप्त हो सके।

विद्यार्थियों ने जाने सफलता के सूचक

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय का वनशाला शिविर गुजरात के हिम्मतनगर जिले में आयोजित किया गया। शिविर में महाविद्यालय के बी.एड. एवं एम.एड. के छात्राध्यापकों सहित 225 सदस्यों ने भाग लिया। शिविर के समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि उत्तर गुजरात पाटन विश्व विद्यालय के उप कुलपति प्रो. बी.एल गोदारा थे। उन्होंने विद्यार्थियों के सामने सफलता के

शेष पृष्ठ 16 पर...

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

नियुक्तियां

मानव संसाधन एवं विधि विभाग द्वारा विद्या भवन सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, विद्या भवन पब्लिक स्कूल, विद्या भवन सी.सै. स्कूल-रामगिरि, विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र एवं विद्या भवन जन वाचनालय में अप्रैल, 2016 से जून, 2016 की अवधि में निम्नलिखित 14 कर्मचारियों को नियुक्ति दी गई। नियुक्त कर्मचारियों में 11 नियमित तथा 3 को संविदा पदों पर नियुक्ति दी गई है।

क्र.सं.	नाम कर्मचारी	पद	नियमित	संविदा	संस्था का नाम
1.	सिद्दीका	उर्दू	नियमित		विद्या भवन सी.सै.स्कूल
2.	नरेश वैष्णव	गणित	नियमित	-	विद्या भवन सी.सै.स्कूल
3.	हैदर अली	गणित	नियमित	-	वि.भ. शिक्षा सदर्भ केंद्र
4.	ममता मेहता	नर्सरी	नियमित	-	विद्या भवन सी.सै.स्कूल
5.	वंदना वडाला	प्राथमिक	नियमित	-	विद्या भवन सी.सै.स्कूल
6.	शिखा भटनागर	गणित	-	संविदा	विद्या भवन सी.सै.स्कूल
7.	शिवकन्या राठौड़	सहायक	नियमित	-	वि.भ.सी.सै.स्कूल, रामगिरि
8.	हंसमुख कुमार		नियमित	-	वि.भ. कृषि विज्ञान केंद्र
9.	अजय शर्मा	सहायक	नियमित	-	वि.भ. कृषि विज्ञान केंद्र
10.	टीना सिसोदिया	इंचार्ज	-	संविदा	वि.भ. जन वाचनालय
11.	फरजाना	विज्ञान		संविदा	विद्या भवन सी.सै. स्कूल
12.	निशा नागदा	गणित	नियमित		वि.भ. पब्लिक स्कूल
13.	मोहम्मद आबिद	लेखा	नियमित		वि.भ. पब्लिक स्कूल
14.	अभिजीत सेनगुप्ता	कम्प्यूटर	नियमित		वि.भ. पब्लिक स्कूल

वेतन निर्धारण हेतु बैठक

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन निर्धारण के लिए कमेटी का गठन किया है। कमेटी सोसायटी के शिक्षा सलाहकार कमल महेन्द्रू की अध्यक्षता में गठित की गई है। कमेटी की प्रथम बैठक 16 एवं 17 अप्रैल को हुई थी।

प्रवेश हेतु प्रोत्साहन

विद्या भवन के तीनों स्कूलों में नामांकन बढ़ाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। इसी संबंध में सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता की अध्यक्षता में विद्यार्थी प्रवेश को प्रोत्साहन देने हेतु उचित कार्रवाही पर विचार-विमर्श किया गया। बाद में सोसायटी से एच.आर. भाटी के मार्गदर्शन में विद्यालय के कर्मचारियों एवं सदस्यों ने अभिभावकों से संपर्क किया, उन्हें विद्या भवन की विशेषताओं से संबंधित पेमफ्लेट्स बांटे, जगह-जगह बैनर लगाए तथा सामुदायिक बैठकें आयोजित कर प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थी कल्याण समिति की बैठक

विद्या भवन सोसायटी परिसर में अजय मेहता की अध्यक्षता में विद्या भवन प्रशासनिक एवं विद्यार्थी कल्याण समिति की बैठक हुई। बैठक में विद्या भवन के सभी संस्था प्रमुखों ने भाग लिया। इसी प्रकार, शैक्षिक सलाहकार समिति की बैठक में शैक्षणिक कार्यक्रम 2016-17 एवं अध्यापकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण अध्ययन पर विचार-विमर्श किया गया।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

...पृष्ठ 3 का शेष

गेंद आदि, साथ ही एक चित्र प्रदर्शनी एवं विद्याभवन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की भी स्टॉल लगाई गई। मेला भ्रमण के पश्चात् बच्चों ने अल्पाहार किया। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने विद्यार्थियों से बातचीत की एवं उनके अनुभव सुने।

अभिभावकों से रूबरू

नर्सरी स्कूल में विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता की अध्यक्षता में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्याभवन शिक्षा केन्द्र की टीम ने भी भाग लिया। सोसायटी अध्यक्ष ने अभिभावकों से विद्या भवन के उद्देश्यों को साझा किया एवं साथ ही अभिभावकों ने अपने अनुभव एवं सुझावों पर चर्चा की ।

कहानियों की किताबें हों ज्यादा

विद्या भवन नर्सरी स्कूल में बालकों के लिए संचालित होने वाली पाठ्यपुस्तकों पर चर्चा की गई। चर्चा में विद्या भवन शिक्षा केन्द्र के कमल महेन्द्रू की अध्यक्षता में शिक्षा केन्द्र के सदस्य, शाला प्राचार्य मधुलिका कोठारी एवं विद्या भवन नर्सरी के स्टाफ ने भाग लिया। सभी की इस बात पर सहमति बनीं कि नर्सरी कक्षाओं में पढ़ाई जाने वाली हिन्दी व अंग्रेजी की आमतौर पर लगाई जाने वाली किताबों को हटाकर भाषा पढ़ाने में सहायक कहानियों की किताबों को ज्यादा से ज्यादा लगाया जाए।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

विद्या भवन नर्सरी स्कूल में नए सत्र की शुरूआत के साथ अध्ययनरत विद्यार्थी

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

रैली को रवाना करते व्यवस्था सचिव

वनशाला में समझा समावेशी विकास

महाविद्यालय का वनशाला शिविर चित्तौड़गढ़ के ओछड़ी गांव में लगा। विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों ने गांव का समावेशी विकास के संदर्भ में अध्ययन किया। अध्ययन के लिए क्षेत्रवार अध्ययन प्रश्नावलियों व साक्षात्कार अनुसूचियों का निर्माण किया। इस दौरान चन्देरिया स्थित सांवरिया बहुउद्देशीय विकलांग सेवा समिति का अवलोकन कर विशिष्ठ बालकों व अध्यापकों के अनुभव सुने। विद्यार्थियों ने समूहों में ओछड़ी पंचायत समिति, पटवार मंडल, किसान सेवा केन्द्र, महानरेगा विभाग, सिंचाई विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़ आदि में जाकर अधिकारियों से साक्षात्कार कर सूचना एकत्र की। सर्वे से प्राप्त निष्कर्ष ये रहेः-

1. गांव के शिक्षित राजपूत परिवार के लोगों का मजदूरी व महिलाओं का कार्य करने को हेय समझें जाने के कारण आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। वहीं मजदूरी करने वाले गुर्जर भील परिवारों में सभी सदस्यों के कार्य करने के कारण अशिक्षित होते हुए भी आर्थिक रूप से अधिक विकसित हैं।
2. सरकार के समस्त प्रोत्साहनों के बावजूद गाडोलियां लौहार बालकों का प्रवेश व सम्पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने तक ठहराव अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। नामांकन दर्ज होने के बावजूद उपस्थिति नगण्य पाई गई ।
3. होली व दीपावली गांव में सभी समाज के लोगों के द्वारा सामूहिक रूप से मनाई जाती है।
4. गांव के 8 अनाथ बच्चे पालनहार योजना के अन्तर्गत लाभान्वित हो चुके हैं।
5. इंदिरा आवास योजना के अंतर्गत 4 घर बन चुके हैं व 5 बन रहे हैं। वंचित वर्गों के लिए 55 शौचालयों का निर्माण किया गया है।
6. गांव में अपना खेत अपना श्रम योजना में सहभागिता द्वारा कृषि भूमि का सुधार किया जा रहा है
7. पंचायत में 12 में से 5 महिला प्रतिनिधियों की स्थानीय प्रशासन में भागीदारी है।

शिविर में आई.पी.एस., चित्तौड़गढ़ प्रसेन्न खमेसरा, प्रो. ए. एल. जैन, पूर्व प्राचार्य चित्तौड़ महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को क्षेत्र की जानकारी दी। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता एवं सचिव एस.पी.गौड़, ने समावेशी विकास विषयक रैली का उद्घाटन किया। विद्यार्थियों ने नुक्कड नाटकों व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया।

प्रतीक्षा वाद-विवाद में द्वितीय

महाविद्यालय की प्रतीक्षा जैन ने राजस्थान महिला शिक्षक महाविद्यालय द्वारा आयोजित "युवाओं में लैंगिक संवेदनशीलता विकसित करने के लिए शिक्षा एकमात्र साधन है" विषयक वाद विवाद में द्वितीय स्थान प्राप्त कर 1000 रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

चार्ट-पोस्टर, रंगोली-माण्डने का अंतर

महाविद्यालय में "शिक्षा में कला" विषयक कार्यशाला आयोजित हुई। विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगिरि के वरिष्ठ अध्यापक, शशिकान्त शर्मा ने विद्यार्थियों को कला, उद्योग व क्राफ्ट, चार्ट व पोस्टर, रंगोली, अल्पना तथा माण्डने के अंतर, ब्लॉक, स्टेंसिल पेंटिग व फोटो फ्रेमिंग, रंग व पेंसिल के प्रकार आदि के बारे में बताया।

अन्तर्महाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय, हिन्दू अध्यात्म एवं सेवा संगम तथा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्महाविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता हुई। विषय "राजस्थान के वन क्षेत्रों का पारिस्थितिकी तंत्र एवं उसके संरक्षण के उपाय" था। प्रतियोगिता में 72 बी.एड., एम.एड. एवं शोध विद्यार्थियों ने भाग लिया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्व विद्यालय की शिक्षा संकाय अध्यक्ष प्रो. साधना कोठारी ने घटते वन क्षेत्र पर चिंता व्यक्त करते हुए विषय को प्रासंगिक बताया। पेसिफिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.पी. शर्मा ने बताया कि वैश्विक तपन व मौसम परिवर्तन के कारण नदियों के मौसमी नालों में बदलने का खतरा है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आई. वी. त्रिवेदी ने पारिस्थितिकी संतुलन को फिर से स्थापित करने के प्रयासों पर जोर दिया ।

मध्यावधि परिक्षाएं सम्पन्न

महाविद्यालय में दिनांक 16 से 30 मई 2016 तक मध्यावधि परीक्षाएं आयोजित की गई। परीक्षाओं में सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नवीन द्विवर्षीय परीक्षा पैटर्न के आधार पर लघु उत्तरात्मक प्रश्नों का समावेश किया गया ।

किया कम्प्यूटर प्रयोग

महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने कंप्यूटर पर इंटरनेट बायोडाटा, कैलेंडर, टाईम टेबल व अंकतालिका निर्माण, आंकड़ों का सांख्यिकी विश्लेषण तथा ग्राफिकल प्रदर्शन करना सीखा। बाद में कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन किया गया ।

शिक्षा में कला व ड्रामा परीक्षा

"शिक्षा में कला व ड्रामा" विषयक मौखिक परीक्षा हुई। मौखिक परीक्षा का आधार वर्षपर्यन्त संचालित सैद्धांतिक कक्षाओं व विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशालाओं द्वारा प्राप्त अनुभव रहा ।

सीटीई कार्यशालाओं में भागीदारी

महाविद्यालय की कुमुद पुरोहित व तारा कुमावत ने वि. भ. गो. से. शिक्षक महाविद्यालय की विज्ञान व सा. विज्ञान शिक्षकों के लिए आयोजित सीटीई कार्यशालाओं में "कम लागत विज्ञान शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण" "कला उत्सव व विज्ञान प्रदर्शनी" पाठ्यसहगामी गतिविधियों का आयोजन "लैंगिक समानता" विषय पर संदर्भ व्यक्ति के रूप में भाग लिया ।

शेष पृष्ठ 12 पर...

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

सैद्धान्तिक कक्षाएं

प्रथम एवं द्वितीय वर्ष छात्राध्यापकों हेतु विद्यालय अनुभव कार्यक्रम से आने के बाद अप्रैल में समय-सारणी के अनुसार सैद्धान्तिक शिक्षण कार्य आरंभ करवाया गया। सभी संकाय व्याख्याताओं ने विषय सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास किया एवं अपने-अपने विषय से सम्बन्धित पाठ्यक्रम को पूरा करवाया गया। व्याख्याताओं की ओर से छात्रों को प्रश्न-उत्तर लिखवाकर अभ्यास कार्य करवाया एवं द्वितीय परख में आने वाले पाठ्यक्रम को नवाचार युक्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुए पूरा करवाया।

द्वितीय परख का आयोजन

संस्थान में मई के प्रथम सप्ताह में प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों हेतु आन्तरिक परीक्षा के अन्तर्गत द्वितीय लिखित परख का आयोजन किया गया। लिखित परीक्षा में सभी छात्रों ने भाग लिया।

परिषद गोष्ठी

सत्र पर्यन्त चलने वाली परिषद गोष्ठी प्रणाली के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने शनिवारीय सांस्कृतिक कार्यक्रम/प्रतियोगिता तथा गुरूवारीय खेलकूद प्रतियोगिता में परिषद अनुसार भाग लिया। इस गतिविधि के अंतर्गत अंकों की गणना करने पर पर्ल हाउस प्रथम स्थान पर तथा ग्रीन हाउस द्वितीय स्थान पर रहा। परिषद गोष्ठी के अंतर्गत प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थियों से पोर्टफोलियों फाईल एकत्रित की गई।

गतिविधियों से निखरी अभिव्यक्ति

स्वांग (मिमिक्री) प्रतियोगिता :- छात्राध्यापकों द्वारा व्यक्ति विशेष के सूक्ष्म अवलोकन एवं अवलोकित छवि को हाव-भाव के द्वारा किस प्रकार प्रदर्शित किया गया, इस हास्यासपद क्षण को जानने के लिए मिमिक्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पंकज मेघवाल व द्वितीय कृष्ण कुमार ने प्राप्त किया।

वर्तनी सम्बन्धी प्रतियोगिता:- छात्राध्यापकों की लेखन त्रुटियों व शब्द ज्ञान का पता लगाने के लिए शुद्ध वर्तनी (हिन्दी) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर कमलेश पानेरी व द्वितीय स्थान पर पंकज कुमार मेघवाल रहे।

उत्सव व जयन्ती:- विद्या भवन कला संस्थान में संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती का आयोजन किया। संस्थान के छात्राध्यापकों ने अम्बेडकर की शिक्षा, कार्यक्षेत्र, जीवन क्रम संविधान प्रारूप में उनकी सहभागिता व विशिष्ट कार्यों आदि विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

मूकाभिनय करते बी.एस.टी.सी. के छात्राध्यापक

मूकाभिनय प्रतियोगिता:- छात्रध्यापकों के हाव-भाव, संकेतों के माध्यम से विषय वस्तु की अभिव्यक्ति, आपसी संयोजन, वेशभूषा आदि गुणों से युक्त मंचन को प्रदर्शित करने के लिए मूकाभिनय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर यलो हाउस से जितेन्द्र मेवाड़ा एवं पार्टी व द्वितीय स्थान ग्रीन हाउस से सुमित्र एवं पार्टी ने प्राप्त किया।

विदाई एवं पारितोषिक वितरण:- विद्या भवन कला संस्थान महाविद्यालय में द्वितीय वर्ष के छात्रों हेतु विदाई एवं दोनों वर्षों के छात्राध्यापकों हेतु पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशिष्ठ अतिथि मोहन सिंह मेहता ट्रस्ट के सचिव नन्द किशोर शर्मा ने विदाई पाने वाले एवं पुरस्कार पाने वाले छात्रों से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी भूमिका को बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. सुगन शर्मा ने छात्राध्यापकों को विद्या भवन संस्थान की

विद्यार्थी को पुरुस्कार वितरित करते अतिथि

गरिमा के अनुरूप समाज में कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में डी.एल.एड. के द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों को विदाई दी गई। साथ ही प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष हेतु वर्ष पर्यन्त आयोजित सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्राध्यापकों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। वर्ष भी श्रेष्ठ कार्य करने वाले छात्र जोगा राम को श्रेष्ठ छात्राध्यापक का सम्मान देकर पारितोषिक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसी अवसर पर पिछले दो वर्षों से संस्थान में अध्ययनरत छात्र रमेश कटारा जो कि दिव्यांग है, को संस्थान की व्याख्याता मीना कालरा द्वारा जयपुर से अंध विद्यार्थी की सहायता हेतु इलेक्ट्रिक ब्रेल स्टीक मंगवाई गई जो विदाई समारोह के अवसर पर छात्र को प्रदान की गई। संस्थान के प्रभारी हेमन्त त्रिवेदी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समन्वयन डॉ. पूनम दवे ने किया।

रिपोर्टर : पूनम दवे

...पृष्ठ 11 का शेष

कोलोबोरेटिव अधिगम पर शोध

महाविद्यालय की कुमुद पुरोहित को अपने शोध कार्य "किशोरों में कोलोबोरेटिव अधिगम और संज्ञान प्रक्रिया के मध्य संबंध का अध्ययन" प्रो. अनु पुनिया के निर्देशन में संपन्न करने के लिए मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

किसान मेले का उद्घाटन समारोह

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मेला

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार प्रसार के लिए किसान मेले का उद्घाटन केन्द्र पर सांसद अर्जुनलाल मीणा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने नई फसल बीमा योजना की जानकारी देते हुए कहा कि पूर्व की फसल बीमा योजना का प्रीमियम बहुत ज्यादा था एवं प्रक्रिया काफी जटिल थी। वर्तमान योजना में दावा भुगतान को काफी सरल बनाया गया है। विशिष्ठ अतिथि डॉ. एस.एल. मेहता ने किसानों को बताया कि खरीफ फसलों के लिए 2 प्रतिशत, रबी के लिए 1.5 प्रतिशत एवं उद्यानिकी फसलों के लिए 5 प्रतिशत प्रीमियम राशि किसानों को देनी होगी। इस योजना में नुकसान की 25 प्रतिशत राशि का भुगतान तुरन्त किया जाएगा।

खरीफ फसल का प्रशिक्षण देते केन्द्र के वैज्ञानिक

फसलोत्पादन प्रशिक्षण

केन्द्र एवं सेवा मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में खरीफ फसलोत्पादन पर 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण हुआ।। कार्यक्रम में झाड़ोल (फलासिया) के 32 किसानों ने भाग लिया। कृषकों को खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न, दलहन एवं तिलहनी फसलों की वैज्ञानिक तरीके से खेती, नई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, खरीफ फसलोत्पादन में मौसम के पूर्वानुमान का महत्त्व, उन्नत कृषि यंत्रों की उपयोगिता एवं जीवाणु खादों की जानकारी दी गई। किसानों को सुरक्षित अनाज भण्डारण एवं कृषि विभाग की किसानों के लिए लाभकारी योजनाओं से भी अवगत कराया। प्रशिक्षण में मुण्डावली, ढूढावली, सालूखेड़ा, खाखराखेड़ा, चेचलाया, तलाई एवं मालपुर के किसानों ने भाग लिया। गांव स्तर पर उड़द और सोयाबीन एवं मक्का उत्पादन पर मावली तहसील के मण्डप, भीमल एवं फलीचड़ा खेड़ी गांव में प्रशिक्षण दिया गया।

अदरक की खेती पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा झाड़ोल तहसील के तलाई और मालपुर गांव में असंस्थागत प्रशिक्षणों का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण अदरक की खेती से अधिक आय उपार्जन व कीटो एवं रोगों से बचाव पर आधारित थे। झाड़ोल क्षेत्र अदरक की खेती का प्रमुख उत्पादक रहा है, परन्तु विगत कुछ वर्षों से इसमें लगने वाले रोग खासकर कंद सड़न (राइजोम रॉट) के उग्र रूप लेने से फसल पूर्णतः चौपट होती जा रही है। अतः इन प्रशिक्षणों में किसानों को राइजोम रॉट के उपचार के तरीके जैसे वैज्ञानिक तकनीक से भण्डारण, मित्र फंफूद ट्राईकोडर्मा से बीजोपचार व भूमि उपचार बताया गया। साथ ही आने वाले समय में इस रोग के प्रबंधन हेतु विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र व महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तकनीकी मार्गदर्शन में 6 चयनित गांवों के 40 किसानों के यहां 2 वर्षों तक प्रदर्शन लगाए जाएंगे। प्रशिक्षणों में 6 गांवों के 115 किसानों ने भाग लिया।

कर्मचारियों ने किया श्रमदान

स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित होकर विद्या भवन परिवार की तरफ से बुनियादी उच्च माध्यमिक विद्यालय, रामगिरि के बीड़े की दीवार की मरम्मत का कार्य किया गया। इस पहल से बीड़े में बढ़ती गंदगी एवं अतिक्रमण को रोका जा सकेगा। श्रमदान में दीवार की मरम्मत की गई एवं नहर के पास तकरीबन 40 फीट व करीब 8 स्थानों पर 8 से 10 फीट के रास्तों को पत्थर लाकर बन्द किया गया। कार्यक्रम में केवीके के सभी 18 सदस्यों, 20 कृषकों, 32 प्रशिक्षणार्थियों के साथ विद्या भवन परिवार के सदस्यों को मिलाकर कुल 105 सदस्यों ने भाग लिया।

केन्द्र पर प्रायोगिक प्रशिक्षण लेती महिलाएं

उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र पर वास्को (कुम्भलगढ़) द्वारा प्रायोजित "प्रसंस्करण तकनीक से महिलाओं में उद्यमिता विकास" विषय पर दो दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण में पापड़, अचार एवं शर्बत बनाने के साथ लघु उद्योग स्थापित करने के गुर सीखे। बाड़ी परियोजना के अन्तर्गत महिलाओं ने केन्द्र पर फलो के बगीचों का भ्रमण कर फल उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक सीखी। प्रशिक्षण में क्षेत्र की 18 आदिवासी महिलाओं ने भाग लिया।

फसलोत्पादन प्रदर्शन कार्यक्रम

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत 20 हैक्टर क्षेत्रफल में दलहनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए उड़द की उन्नत किस्म आजाद-3 का 93 कृषकों एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत तिलहनी फसल सोयाबीन की

शेष पृष्ठ 15 पर...

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

विद्यार्थियों से रूबरू होते अधिकारी

शिक्षा संबल कार्यक्रम

शिक्षा संदर्भ केंद्र, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के साथ मिलकर राजस्थान के पांच जिलों- उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़, भीलवाड़ा और अजमेर में शिक्षा संबल कार्यक्रम चला रहा है जिसके तहत 55 सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी विषय हेतु अकादमिक मदद उपलब्ध करवा कर बच्चों के मध्य अकादमिक संवाद को बढ़ावा देने व बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम पाने का जिम्मा केंद्र ने उठाया है। इस हेतु उक्त स्कूलों में काम करने के लिए 53 अनुदेशकों (विज्ञान-23, गणित-15, व अंग्रेजी-15) का चयन विधिवत प्रक्रियानुसार किया गया। जिनका विज्ञान विषय में उन्मुखीकरण प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। गणित एवं अंग्रेजी विषयों का उन्मुखीकरण जारी है जो 6 जुलाई तक सम्पन्न होगा तत्पश्चात् स्कूल आवंटित करने एवं आगे की कार्ययोजना बनाने का काम होना है।

इसी परियोजना के तहत इन्हीं 55 स्कूलों से आगामी दसवीं बोर्ड की परीक्षा में शामिल होने वाले लगभग 70 बच्चों के साथ 35 दिवसीय (15 मई से 18 जून) आवासीय शिविर आयोजित किया गया जिसमें बच्चों की अवधारणात्मक समझ को पुख्ता करने और बेहतर बोर्ड परिणामों के लक्ष्य के साथ काम किया गया। शिविर में बच्चों के साथ गणित, विज्ञान और अंग्रेजी की क्षमताओं पर काम के साथ भाषाई दक्षता हेतु रीडिंग, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, खेल, नाटक, गायन, नृत्य, भ्रमण आदि गतिविधियों को शामिल किया गया ताकि जिनके माध्यम से बच्चों को विभिन्न अवसर देकर अपनी क्षमताओं को विकसित करने का मौका दिया जा सके।

हिन्दी में सामग्री निर्माण

केन्द्र, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के लिए हिन्दी में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की सामग्री विकसित करने में जुटा है। इस सामग्री में अब तक अनुवादित पर्चों को वेटिंग और रिव्यू के बाद अन्तिम रूप दिया जा रहा है जिसके लिए अप्रैल में तीन दिवसीय (25-27 अप्रैल) रिव्यू मिटिंग एवं मई में अनुवादक समूह के विस्तार हेतू तीन दिवसीय कार्यशाला (25-27 मई) आयोजित की गई। उपरोक्त बैठकों में ए.पी.यू. की फैकल्टी गुरबचन सिंह एवं हृदयकांत दीवान से फीडबैक और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बारां स्टडी

बारां स्टडी में विगत माह तक हुए कार्यों को आगे बढ़ाते हुए संकलित डाटा का विश्लेषण तथा रिपोर्ट लिखने का कार्य सम्पन्न हुआ। रिपोर्ट का ड्राफ्ट आई.आई.एम.यू. के साथ साझा किया गया तथा उनके द्वारा दिए गए सुझावों का समावेश किया जा रहा है तत्पश्चात् इसे अन्तिम रूप देकर आई.आई. एम.यू. व संबंधित सरकारी अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी।

इस्टर्न यू.पी. प्रोजेक्ट

विद्या भवन, यूपी के बहराइच जिले में विद्यालय व डाइट स्तर पर काम कर रहा है। विद्यालय स्तर पर बहराइच जिले में टाटा ट्रस्ट की पार्टनर्स संस्थाओं की अकादमिक मदद के लिए 20 स्कूलों में सक्रिय लाइब्रेरी स्थापित करना जिसमें ट्रस्ट की सहयोगी संस्थाओं के अकादमिक सदस्यों और शिक्षकों की पुस्तकालय के महत्त्व तथा कक्षा से उसे कैसे जोड़ा जाए पर समझ बनाना या प्रशिक्षित करना। पुस्तकालय के क्षेत्र में कार्य का प्रमुख हिस्सा शिक्षकों को पढ़ने की सामग्री में ऐसे पाठ और लेख शामिल किए जाएंगे जो सीखने-सिखाने की प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर शिक्षकों की समझ पुख्ता करने में मदद कर सकें। साथ ही स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के बीच ऐसे बाल-साहित्य पहुंचाना ताकि बच्चे उनका उपयोग करके अर्थ के साथ पढ़ना सीख सकें।

डाइट स्तर पर डाइट संकाय सदस्यों और छात्राध्यापकों से बातचीत, कक्षा-कक्ष अवलोकन, स्कूल विजिट और स्कूल शिक्षकों से बातचीत के आधार पर यह समझना कि हर शिक्षाविद् समूह के लिए कौन से क्षेत्र पर काम करने की आवश्यकता है। इसमें हम विषय-वस्तु तथा दर्शन, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया, शिक्षा का समाजशास्त्र, शोध, कक्षा संबंधित मुद्दे इत्यादि सभी थीम पर बातचीत करेंगे।

नर्सरी स्कूल इंटरवेंशन

केन्द्र की टीम द्वारा अप्रैल में पूर्व में करवाए गये कार्य का दोहरान व मूल्यांकन किया गया। साथ ही नर्सरी स्कूल को बेहतर बनाने की कड़ी में अभिभावकों के सुझाव हेतु पी.टी.एम. का आयोजन किया गया। ये आयोजन रविवार को रखा गया ताकि ज्यादा से ज्यादा पालक आ सके। इस मिटिंग में पालकों को स्कूल से जुड़े रहने एवं उसे बेहतर बनाने के लिये उनके सुझावों व प्रश्नों पर चर्चा की गई। ये भी तय किया गया कि अब से प्रत्येक माह पी.टी.एम. का आयोजन किया जाएगा।

गर्मियों की छुट्टियों से पूर्व ही टेक्स्ट बुक रिव्यू का भी काम किया गया। इस प्रक्रिया में 2 बार नर्सरी शिक्षक के साथ वर्कशॉप आयोजित की गई जिसमें ये समझने का प्रयास किया गया कि इस उम्र के बच्चे कैसे सीखते हैं और उसके लिये क्या-क्या किया जा सकता है। इस चर्चा से स्पष्ट हुआ कि कहानी, कविता एवं सार्थक संदर्भ बच्चों के सीखने में सहायक है।

इसी आधार पर भाषा के लिये संदर्भ आधारित कहानियों की किताबें एवं अच्छी

कविताओं के संकलन की जरूरत महसूस हुई इसके लिये हिन्दी में बरखा सीरीज एवं प्रथम प्रकाशन की किताबों का चयन किया गया साथ ही केन्द्र द्वारा कविता संकलन कार्य भी शुरू कर दिया गया। ये संकलन हिन्दी व अंग्रेजी दोनों तरह की कविताओं का बनाया जाएगा।

खुशी आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड वेदान्ता के सहयोग और सेवा मंदिर की साझेदारी में संचालित 'खुशी आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट' द्वारा गिर्वा, झाड़ोल व उदयपुर की आंगनवाड़ियों में शाला पूर्व शिक्षण कार्यक्रम प्रभावी बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया है। विद्या भवन द्वारा मौजूदा केन्द्रों की संचालिकाओं में शाला पूर्व शिक्षण की समझ एवं इससे संबंधित वस्तुस्थिति का जायजा लेने हेतु गिर्वा, बड़गांव की तीन आंगनवाड़ियों व एक बालवाड़ी का अवलोकन किया गया। विद्या भवन आंगनवाड़ी केन्द्र, नर्सरी स्कूल व सेवा मंदिर टीम के साथ प्रोजेक्ट की जानकारी तथा फील्ड विजिट के अवलोकनों को साझा करने हेतु बैठक हुई। इस बैठक का उद्देश्य आगामी प्रशिक्षण हेतु मुख्य मुद्दों की पहचान करना था।

आई.सी.डी.एस. द्वारा शाला पूर्व शिक्षण हेतु बने हुए पाठ्यक्रम 'कियोल' एवं सेवा मंदिर बालवाड़ी पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई। इस समीक्षा के मुख्य आधार शालापूर्व शिक्षण की समझ, गतिविधियों का सीखने में महत्त्व, विकास के सभी पहलुओं को शामिल करना, समूह में सीखने व अन्तःक्रिया के अवसर एवं बच्चों के संदर्भ में जुड़ाव थे।

हजीरा प्रोजेक्ट

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा दो दिवसीय प्लानिंग मिटिंग में अनुदेशकों के सीखने-सिखाने और आगामी माह में बच्चों के साथ काम करने की योजना बनाई गई जिसके तहत केन्द्र में करवाई जाने वाली वर्कशीट एवं उससे जुड़ी गतिविधियां कैसे की जाएगी, पर चर्चा की गई। केन्द्र द्वारा आदर्श नागरिक के रूप में विभिन्न जागरुकता कार्यक्रमों में भागीदारी निभाई गई जैसे- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर 250 बच्चों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई साथ ही स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया गया, हरपतिवास क्षेत्र में भोजन पकाने के माध्यम से सबंधित सर्वे किया गया और 15 धुआं रहित चूल्हों का वितरण किया गया। केन्द्र के कार्यों का मूल्यांकन सी.सी.ई. द्वारा किया गया जिसकी रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण भी गत तिमाही में सम्पन्न हुआ। केन्द्र के साथियों द्वारा हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, आर.एल.सी. उदयपुर में भागीदारी निभाई गई। केन्द्र के साथियों ने विभिन्न अधिकारियों को अपनी कार्यविधियों और योजनाओं की जानकारी दी जिनमें मुख्य सचिव, गुजरात गंगाराम आरोलिया, डी.एस.पी. सूरत मयूर भाई और शिक्षा मंत्री गुजरात भूपेन्द्र सिंह शामिल थे। योजनानुसार मोबाइल लाइब्रेरी के नियमित फेरे जारी हैं जिसमें प्रतिमाह औसतन 400 लड़के, 400 लड़कियां और तकरीबन 200 ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं।

मोबाईल लाइब्रेरी द्वारा सीखना–सिखाना

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

...पृष्ठ 13 का शेष

पैदावार बढ़ाने के लिए उच्च उत्पादन क्षमता वाली किस्म जे.एस. 95-60 का 83 कृषकों को फसल आदान का वितरण मावली तहसील के गांवों में किया गया।

परियोजना स्वीकृति

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत् केन्द्र का चयन सीड हब के रूप में विकसित करने के लिए 1.5 करोड रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस परियोजना के अंतर्गत केन्द्र पर सीड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना हेतु 50 लाख रुपये एवं कृषकों की सहभागिता से बीजोत्पादन हेतु 1 करोड़ रुपये रिवोल्विंग फंड भी आगामी 2 वर्षों में प्राप्त होंगे। ट्राइबल सब प्लान परियोजना के संचालन हेतु 16 लाख रुपये की स्वीकृति भी हुई है।

कृषकों के खेत पर परीक्षण

उच्च गुणवत्ता युक्त प्रोटीन मक्का की दो उन्नत किस्मों क्रमशः प्रताप क्यू.पी.एम. हाईब्रिड-1 एवं एच.क्यू.पी.एम-5 का 10 कृषकों के खेत पर केन्द्र के वैज्ञानिकों की देखरेख एवं कृषकों की सहभागिता के आधार परीक्षण कर जिले के लिए अनुकूल क्यू.पी.एम. की किस्म का मूल्यांकन किया जाएगा।

केन्द्र पर पशुआहार एवं बांझपन उपचार पर अनुसंधान

केवीके द्वारा पशुओं हेतु अधिक उत्पादन, उचित प्रजनन व्यवस्था और आहार के लिए अनुसंधान किए जाते रहे हैं। किसानों की मुख्य समस्या उत्तम गुणवत्ता के पशुआहार की अनुपलब्धता रही है। इसके अलावा बाजार में उपलब्ध खनिज लवणों की प्रमाणिकता पर भी संदेह रहा है। इसके तहत् विभिन्न प्रकार के खनिज लवणों को मिलाकर एक अनुसंधान किया गया। यह कार्य केवीके, ओरड़ी एवं जूनावास के 110 पशुओं का चयन कर किया गया। इसके विजुअल परिणाम काफी उत्सावर्धक रहे हैं। इस अनुसंधान में खनिज लवणों को देने से पूर्व एवं बाद के खून के नमूनों का आंकलन तथा इनका बांझपन निवारण कार्य शामिल किया गया। आने वाले माह में इन पशुओं का गर्भ परीक्षण कर इसका अनुमान लगाया जाएगा कि कौनसे समूह में अधिक पशु ग्याभित हुए हैं।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन विद्या बंधु संघ

1980–81 में हायर सैकण्डरी पास कर निकले विद्या बंधु

विद्या बंधुओं का सम्मान

भाई साहब डॉ. मोहनसिंह मेहता की 121वीं जयंती पर विद्या भवन विद्या बंधु संघ का स्नेह मिलन समारोह विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल प्रांगण में आयोजित हुआ। सिंचाई विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता पी. आर. सोलंकी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में 400 विद्या बंधुओं ने भाग लिया। विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यापक डॉ. भगवतीलाल व्यास थे। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने 1980-81 में हायर सैकण्डरी पास कर निकले 28 विद्या बंधुओं को सम्मानित किया। इस मौके पर विद्या बंधु मुखपत्र के 28 वें अंक का भी विमोचन किया गया। विद्या बंधु सत्यनारायण मीणा और सकीना पालीवाल ने मधुर गीत एवं विद्या बंधु लोकेश त्रिवेदी एवं ग्रुप ने भांगड़ा नृत्य प्रस्तुत किया। विद्या भवन जूनियर स्कूल प्रांगण में स्नेह भोज हुआ।

साधारण सभा की वार्षिक बैठक

विद्या बंधु संघ की साधारण सभा की वार्षिक बैठक संघ की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा की अध्यक्षता में विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के एसेंबली हॉल में हुई। पुष्पा शर्मा ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे चर्चा के बाद सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया। सचिव जगमोहन दवे ने पिछले वर्ष के अंकेक्षित लेख तथा वर्ष 1916-17 के वार्षिक बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस मौके पर रिटा. कर्नल देशबंधु आचार्य, ज्ञान प्रकाश सोनी, भगवत बाबेल, हेमंत बोहरा, गोपाल बंब, दिलीप गलुंडिया ने सुझाव रखे।

विज्ञान लेब लगी नई-नई

कन्हैयालाल बापना 'कंजी काका', कैलाश बोर्दिया एवं कंचन बोर्दिया ने विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल स्थित केमेस्ट्री और फिजिक्स लेब का उद्घाटन किया। इस मौके पर विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता, सीनियर सैकण्डरी की प्राचार्या मधुलिका कोठारी, विद्या बंधु संघ के सदस्य उपस्थित थे। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने कंजी काका, बापना परिवार एवं बोर्दिया परिवार का आभार व्यक्त करते हुए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि विद्या बंधु महेन्द्र बापना एवं दीपक बोर्दिया के सहयोग से विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल की केमेस्ट्री और फिजिक्स लेब का रिनोवेशन कार्य किया गया। रिनोवेशन के अंतर्गत दीवारों पर नया प्लास्टर कर घुटाई कार्य किया गया। साथ ही लेब में आवश्यकतानुसार फर्श की घिसाई कर नई टाईलें, सिंक, नल फिटिंग, ट्यूब लाइट, पंखे आदि लगाए गए। टेबल की मरम्मत कर उनकी रंगाई का कार्य भी किया गया।

रिपोर्टर : जगमोहन दवे

...पृष्ठ 9 का शेष

पांच सूचक रखे। अपने विचारों पर ध्यान देना वे आपके शब्द बनेंगे, अपने शब्दों पर ध्यान देना वे आपके कार्य बनेंगे, अपने कार्यों पर ध्यान देना आपकी आदत बनेंगे अपनी आदत पर ध्यान देना वे आपका चरित्र बनेंगे और अपने चरित्र पर ध्यान देना वही आपका उज्जवल भविष्य बनेगा। उन्होंने छात्राध्यापकों द्वारा किए गए पांच दिवसीय कार्य की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता, व्यवस्था सचिव एस.पी. गौड़ भी उपस्थित थे। इससे पूर्व शिविरार्थियों ने अध्ययन, सामुदायिक कार्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम, श्रमदान, शिविर पत्रिका का प्रकाशन सहित कई नेतृत्व एवं प्रबंधन संबंधी कार्यों में हिस्सा लिया। इस वर्ष वनशाला शिविर की थीम 'पर्यावरण' रखी गई। सभी परिषदों ने थीम के अनुसार योजना बना कर कार्य किया।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

.....

.....

.....

.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479